विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

विषय-हिंदी ***दिनांक-27/06/2020***
वर्ग-चतुर्थ ***विषय-शिक्षिका— नीतू कुमारी***
पाठ-5 (चतुर टॉम)

सुप्रभात बच्चों,

आज की कक्षा में आपको चतुर टॉम कहानी का शेष भाग अध्ययन करना है। हमें पूर्ण विश्वास है कि जो अध्ययन-सामग्री आपको दी जाती है उसे आप पूरे मनोयोग से पढ़ते होंगे। अब कहानी पढ़ेंगे।जो की इस प्रकार है। :—

अब तो सारा नक़्शा ही बदल गया था। बेन कहने लगा, काश, मुझे भी थोड़ी देर पुताई का यह मौक़ा मिल जाए! उसने बड़ी मनुहार करते हुए कहा-"टॉम, ज़रा मुझे भी पुताई करने दो न!"

अब टॉम के नख़रे करने की बारी थी। बोला-"बेन, क्या कहूँ? पॉली मौसी नहीं मानती हैं। यहाँ जिम भी पुताई करना चाहता था और सिड भी। पर मैंने साफ़ मना कर दिया। अगर कुछ गड़बड़ हो जाए, तो जानते हो पॉली मौसी मुझे कितना डाँटेगी!"

अब बेन ने और भी विनम्रता से अनुरोध किया—"देखो टॉम, मेरी बात पर विश्वास करो। मैं बड़ी सावधानी से पराई करूँगा। और हाँ, बदले में मैं तुम्हें अपना सेव भी दूँगा।"

टॉम ने बड़ा एहसान दिखाते हुए कूँची छोड़ दी और बेन उसकी जगह बड़े उत्साह से पुताई करने में जुट गया।

आज के लिए इतना ही, शेष अगली कक्षा में।

गृहकार्य :—

बच्चों पेज नं-31 में दिए गए अभ्यास का प्रश्न संख्या-3,4 हल करें।